may I know whether Pakistan is getting submarine supplies from China and has also recently entered into contract with a French firm for getting three submarines, and if so, whether the Government of India have approached the French Government in order to restrain them from supplying those submarines to Pakistan in view of the inherent danger to peace on account of the arms build-up by Pakistan, and if so, their reaction thereto?

Shri M. C. Chagla: As I said the other day, if Pakistan goes about the world buying submarines and other arms on a commercial basis, it is very difficult for us to take action. But wherever we can, we point out to the countries concerned the result of arming Pakistan and its effect on Indo-Pakistan relations.

Mr. Speaker: The question hour is over.

Shri Hem Barua: On a point of order. May I know if you have admitted question No. 401 after the demonstration in front of Parliament House on November 7 or before that? If it was after that, I think you are not within your right to do so because there cannot be anything more obscene than what the naked *sadhus* demonstrated.

Mr. Speaker: He seems to be very particular about obscenity.

SHORT NOTICE QUESTION

1 डाउन अवध–तिरहुत डाकगाड़ी को उलटने का प्रयत्न

S.N.Q.2. **श्री विश्वनाथ पाण्डेय :** क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 10 नवम्बर 1966 को 1 डाउन अवध-तिरहुत डाकगाड़ी (पूर्वोत्तर रेलवे) में यात्रा कर रहे सैकड़ों यात्री बादशाहनगर और डालीगंज रेलवे स्टेशनों के बीच बाल बाल बचे जहां तोड़ फोड़ करने वालों ने पटरी पर बड़े बड़े पत्थर रख कर इस रेलगाड़ी को उलटने का प्रयत्न किया ;

(ख) यदि हां, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ; और

(ग) तोड़ फोड़ करने वालों के विरुद्ध सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

रेलवे मंत्रालय में राज्य-मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) और (ख). जी नहीं। सही स्थिति यह है कि 9–11–66 को लगभग 18.40 बजे पूर्वोत्तर रेलवे के बादशाहनगर और डालीगंज स्टेशनों के बीच किलोमीटर नं0 773/3 पर 1 अप अवध-तिरहुत डाकगाड़ी का इंजन सीमा-स्तंभ के पत्थर के एक टुकड़े से टकरा गया जो रेल पथ पर रखा हुआ था। रेल-पथ को कोई नुकसान नहीं पहुंचा और न यात्रियों को कोई चोट आयी।

(ग) लखनऊ की सरकारी रेलवे पुलिस ने भारतीय रेल अधिनियम की धारा 126 के अधीन एक मामला दर्ज कर लिया है और वह इसकी जांच कर रही है। इस क्षेत्र में गश्त लगाने के लिए सिविल पुलिस तैनात कर दी गयी है।

श्री विश्वनाथ पाण्डेय : श्रीमन्, बादशाहनगर और डालीगंज स्टेशन लखनऊ शहर के अन्तर्गत हैं और लखनऊ उत्तर प्रदेश की राजधानी है। यह छोटी लाइन पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ में जाती है और अच्छी ट्रेनें भी जाती हैं तो मैं रेलवे मंत्रालय से जानना चाहता हूं कि क्या रेलवे मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश की सरकार को भी इस घटना की सूचना दी है जिससे कि वह समुचित व्यवस्था इस रेल पर कर सकें और भविष्य में इस तरीके की विध्वंसक कार्यवाहियां न हो सकें ?

डा० राम सुभग सिंह : जी हां।

श्री विश्वनाथ पाण्डेय : पूर्वोत्तर रेलवे उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल और आसाम में से होकर जाती है और उस का रेलपथ बहुत ही

लम्बा है। इस घटना के अलावा इसी रेल पथ पर 13 नवम्बर को नयागांव स्टेशन-छपरा लाइन पर चार छोटे बम रखे गये। एक बम विस्फोट हो गया उस से बहुत से आदमियों की हत्या हो गई इस तरीके से विध्वंसकारी कार्य जो इस रेल ट्रैक पर होते हैं उन्हें रोकने के लिए रेलवे मंत्रालय क्या विशेष कार्यवाही कर रहा है ताकि सुरक्षा के साथ ट्रेनें अपने स्थानों पर जा सकें।

डा० राम सुभग सिंह : यह सही है कि नयागांव स्टेशन के नजदीक चार बम 6, 6 छंटाक के मिले थे लेकिन वहां किसी की हत्या नहीं हुई। दो लड़के जो उन के समीप थे एक बम के फटने से उनको ही चोट पहुंची और वह दोनों गिरफ्तार कर लिये गये हैं बाकी और किसी को कुछ नहीं हुआ।

श्री विश्वनाथ पाण्डेय : श्रीमन्, यह जो इस तरह की विध्वंसकारी घटनाएं होती हैं उन को न होने देने के लिए उस के सम्बन्ध में सुरक्षा सम्बन्धी क्या व्यवस्था रेलवे मंत्रालय कर रहा है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों ?

डा० राम सुभग सिंह : वहां की सरकार ने इस केस को अपने हाथ में लिया है और उन को यह बतलाया गया है कि वहां और जोरों से पैट्रोलिंग की जाय।

श्री रामसेवक यादव : अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मंत्री महोदय ने बतलाया डालीगंज और बादशाहनगर स्टेशन बिल्कुल लखनऊ शहर के अन्दर हैं। पूरी आबादी से होकर यह ट्रैक गुजरता है और साथ ही साथ जब से वहां पर कर्मचारियों का आन्दोलन चला था तब से बराबर उस की देखरेख भी होती है पुलिस के जरिए और खास तौर पर आर० पी० एफ० के जरिए तो मैं जानना चाहता हूं कि इस स्थिति के होते हुए भी किस तरीके से यह बोल्डर वहां पर रक्खा गया। क्या इस में कहीं कोई रेल के कर्मचारियों का हाथ तो नहीं है, अफसरों का हाथ तो नहीं है ?

श्री मधु लिमये : मंत्री का हाथ है। (**व्यवधान**)

डा० राम सुभग सिंह : जैसा कि पूर्व प्रश्न पूछा गया था श्री मधु लिमये का हाथ हो सकता है (**व्यवधान**)

श्री मधु लिमये : मेरा हाथ कैसे हो सकता है ? आप के मंत्री पद पर रहते हुए दुर्घटना हो रही है आप को शर्म आनी चाहिए (**व्यवधान**)

डा० राम सुभग सिंह : आप को शर्म आनी चाहिए आप का इस में हाथ होता है (**व्यवधान**)

श्री मधु लिमये : शर्म आप को आनी चाहिए क्योंकि आप उस पद पर बैठे हैं (**व्यवधान**)

अध्यक्ष महोदय : एक तरफ से जब कहा गया कि मंत्री का हाथ है तो दूसरी तरफ से जवाब में कह दिया गया कि माननीय सदस्य का हाथ है।

श्री मधु लिमये : रेल मंत्री बना दें फिर देखें, बाकी इस तरीके से गैर जिम्मेदारी से उनके लिए यह कह देना नितांत अनुचित है। (**व्यवधान**)

अध्यक्ष महोदय : आप ने चूंकि कहा सो उन्होंने आप को उसका वैसा जवाब दे दिया।

श्री मधु लिमये : रेल वह मंत्री जी चल रहे हैं। रेल मंत्री के पद पर बैठे हैं।

अध्यक्ष महोदय : आर्डर, आर्डर।

डा० राम सुभग सिंह : जी हां। जैसा कि श्री रामसेवक यादव ने कहा यह सही है कि पांच वर्षों से वहां कोई घटना नहीं हुई है और इस मामले को लखनऊ पुलिस जैसा कि मैं ने मूल प्रश्न के उत्तर में बतलाया जांच कर रही है और उस जांच के परिणाम-स्वरूप जो कार्यवाही आवश्यक होगी वही की जायेगी।

श्री रामसेवक यादव : मेरा साफ प्रश्न था कि यह बादशाहनगर और डालीगंज स्टेशन शहर के अन्दर हैं और इस ट्रैक पर आर० पी० एफ० पहले से ड्यटी देती रही है तब भी इस तरीके की यदि कोई घटना होती है तो उस के वास्ते कौन जिम्मेदार है ?

डा० राम सुभग सिंह : तहकीकात होने पर पता चलेगा ।

श्री रामसेवक यादव : कोई आदमी पकड़ा नहीं गया है तब तहकीकात किस बात को ?

श्री मधु लिमये : आखिर रेल मंत्री जी की कोई संवैधानिक जिम्मेदारी है या नहीं ? **(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : आर्डर, आर्डर । श्री अ० प्र० शर्मा ।

श्री अ० प्र० शर्मा : जब देश की भिन्न जगहों पर कहीं भी कोई आन्दोलन होता है जब कोई इस तरीके की घटनाएं भिन्न भिन्न जगहों में, कोनों में हो रही हैं तो मैं जानना चाहता हूं कि क्या रेलवे मंत्रालय उस क्षेत्र में या जिन जगहों में यह घटनाएं हो रही हैं वहां के प्रमुख और महत्वपूर्ण लोगों से सम्पर्क स्थापित करे और उन पर इस तरह की जिम्मेदारी सुपुर्द करने के लिए बात हो रही है ताकि इस तरीके की घटनाएं वहां रुक जांय ।

डा० राम सुभग सिंह : इस बात पर विचार किया गया है और इस को कार्यान्वित करने के सिलसिले में कुछ लोगों से सम्पर्क भी स्थापित किया जा रहा है और जैसा कि अभी प्रश्न कर्त्ता महोदय ने सुझाव दिया इस को पूरे तरीके से देखा जायगा ।

श्री शिव नारायण : अध्यक्ष महोदय सौभाग्य समझिये या दुर्भाग्य समझिये, यह जो पूर्वोत्तर रेलवे की छोटी लाइन है है यह नेफा को मिलाती है । अब आये दिन बराबर वहां पर यह ऐक्सीडेंटस हो रहे हैं तो मैं जानना चाहता हूं कि आप का इंटेलिजेंस डिपार्टमेंट क्या कर रहा है ? यह जो सैबोटेज रात दिन हो रहा है उस को रोकने और रेलवे में सुरक्षा प्रदान करने के लिए सरकार क्या विशेष प्रयास कर रही है ?

डा० राम सुभग सिंह : यह बड़ा उम्दा सवाल है । जैसा कि पहले कहा गया था इंटेलिजेंस डिपार्टमेंट की ओर से जो सतर्कता अपनाई गई है उस की कार्यवाहियों के फलस्वरूप नार्थ ईस्टर्न फ्रंटीयर रेलवे पर कुछ आदमी बम लेजाते पकड़े गये थे ।

श्री प्रिय गुप्त : रेल मंत्री ने बतलाया कि पैट्रोलिंग का इंतजाम करेंगे तो यह पैट्रोलिंग का इंतजाम नार्थ ईस्टर्न रेलवे पर लखनऊ से लेकर कहां तक करने का इन का विचार है और कैसे समझेंगे कि कल कहां सैबोटैज होने वाला है ? अगर इस के लिये इंटैलिजैन्स की रिपोर्ट हासिल होती है तो किस किस जगह पर किस किस किस्म की कार्यवाही होने वाली है ? यह पैट्रोलिंग का काम एकोनामिक ड्राइव के मातहत छोड़ना या कम करना उचित नहीं होगा क्योंकि जैसा कि रिवाज है यह एकोनामिक ड्राइव छोटे मजदूरों और कर्मचारियों जैसे पैट्रोलस और गैंगमैन से की जाती है तो मेरा निवेदन यह है कि उनको एकोनामिक ड्राइव के मातहत निकाल कर इस रेलवे ट्रैक के पैट्रोलिंग के काम को कम न किया जाय बल्कि इस काम को जारी रखने के लिए कोशिश की जाय । मैं जानना चाहता हूं कि सरकार इस बारे में क्या सोच रही है ? जब राउन्ड दी क्लौक गाड़ियां आती जाती हैं तब लगातार उन की पैट्रोलिंग कराने के लिये उन का क्या सुझाव है ?

डा० राम सुभग सिंह : इस प्रश्न को पिछले दिन भी माननीय सदस्य ने पूछा था और बतलाया था कि उस दिशा में जो भी आवश्यक होगा वह कार्यवाही की जायगी और आज मैं ने मूल प्रश्न के उत्तर में बतलाया है कि उस क्षेत्र में अर्थात् उन दोनों स्टेशनों के बीच में गश्त लगाने के लिए सिविल पुलिस तैनात कर दी गयी है । लेकिन जहां तक

गैंगमैनों का सवाल है, एकानामी मेजर्स के अन्तर्गत ऐसा कोई कार्य नहीं किया जायगा जिस से उन को कोई चोट पहुंचे ।

श्री प्रिय गुप्त : पट्रोलिंग कौन करेगा ?

अध्यक्ष महोदय : वह कहते हैं कि सिविल अथारिटीज करेंगी ।

डा० राम सुभग सिंह : लखनऊ के पास डालीगंज और बादशाह नगर के बीच की पैट्रोलिंग सिविल पुलिस को दी गई है, और जगहों पर और लोग करेंगे ।

Shri Hem Barua: Shri S. K. Patil wants to continue as Railway Minister (*Interruption*) they do not know what I am going to ask. (*Interruption*).

An hon. Member: Why not?

Mr. Speaker: I request Shri Hem Barua to put his question straight.

Shri Hem Barua: Before I finish, there are voices, "Why not, why not". My goodness, they do not know what I am going to ask. This is a very bad tendency.

Mr. Speaker: He might put only a supplementary question.

Shri Hem Barua: Shri S. K. Patil wants to continue as the Railway Minister because he wants to trace down the culprits so far involved in these acts of sabotage. I would say that that is a very noble responsibility that Shri Patil has undertaken. Let us hope and trust that he wins in this mission. Since the number of railway accidents due to sabotage is increasing in this country, and hundreds of precious human lives are lost in that process, may I know what specific steps Government have taken to see that the railway tracks are protected and no such accidents involving the loss of precious lives of Indians, particularly, are repeated; and what steps have they taken to see that this thing is totally stopped?

Dr. Ram Subhag Singh: It is from that point of view that we invited the Chief Minister and had a meeting of all the Chief Ministers where this point was stressed. They agreed that they would take suitable precautionary measures to protect the railway tracks and trace the types of culprits. Also, a meeting at Secretary level was held, and it was presided over by the Cabinet Secretary where they discussed this aspect and also agreed that effective measures should be taken throughout the country to patrol the railway tracks, etc.

श्री प्रिय गुप्त : एफेक्टिव मेजर्स की रूप रेखा क्या है ?

अध्यक्ष महोदय : अब श्री प्रिय गुप्त बैठ जायें । उन्हों ने सवाल कर लिया । एक सवाल बैठ कर, एक सवाल उठ कर और एक सवाल दरम्यान में किया जाय इस तरह से कैसे कार्यवाही चलेगी ।

श्री काशी राम गुप्त : मंत्री महोदय ने बतलाया कि वहां पर चार बम एक साथ रक्खे हुए थे और एक फट गया । किन्तु क्या उन को यह जानकारी है कि वह चारों बम कितने खतरनाक थे । अगर वह एक साथ फट जाते तो कितना नुक्सान होने की सम्भावना होती । दूसरे वह कहते हैं कि एन्क्वायरी हो रही है । बार बार जांच के बारे में यह कहा जाता है कि सदन में रिपोर्ट को रक्खा जायेगा । पहले भी इसी प्रकार से इस सदन में कहा जा चुका है । मैं जानना चाहता हूं कि इस जांच की रिपोर्ट इस सदन की समाप्ति से पहले रक्खी जायेगी या नहीं ।

डा० राम सुभग सिंह : असल में यह चारों बम जो नया गांव रेलवे स्टेशन के समीप मिले थे उन का वजन, जैसा मैं ने पहले बतलाया, 6, 6 छंटाक था । जो बम फटा उस से जो दो लड़के वहां पर थे इनमें से एक 18 वर्ष के, जिन को गिरफ्तार कर लिया गया है, उनको चोट पहुंची है । वह दोनों जेल में है । मगर वह मरे नहीं हैं । तो खतरनाक होने का अन्दाजा आप इसी से लगा सकते है । चारों कंट्री मेड बम थे । डालीगंज पुलिस इन सारे मामलों की जांच कर

रही है। ज्योंहि उन की रिपोर्ट मिल जायेगी, सदन को इत्तिला दी जायेगी।

श्री बड़े : अभी श्री यादव ने जो सवाल पूछा था उस के उत्तर में मंत्री महोदय ने कहा थी कि वहां आर० पी० एफ० पहले से गार्ड करता था। मैं जानना चाहता हूं कि उस की तरफ से कोई रिपोर्ट आई थी। यदि आई थी तो पहले से इसके लिये स्टेप्स क्यों नहीं लिये गये।

डा० राम सुभग सिंह : असल में अगर माननीय सदस्य ने ध्यान दिया होता तो नया गांव बिहार में छपरा के पास है और श्री यादव ने जो प्रश्न पूछा था वह है लखनऊ के शहरी क्षेत्र में। वहां पर आर० पी० एफ० थी। लेकिन सोनपुर के पास बिहार में आर० पी० एफ० ट्रैक पर नहीं थी। ट्रैक से पांच मील की दूरी पर वह चार बम मिले कल्वर्ट के पास। वहां पर पुलिस ने जा कर उस की देख रेख की और दोनों आदमियों को अरेस्ट कर के ले गई जो कि उस वक्त वहां पर मौजूद थे।

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

भारत में दुर्भिक्ष की स्थिति के बारे में आकाशवाणी से प्रसारण

*392. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
श्री बड़े :

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि आकाशवाणी से यह प्रसारित किया गया था तथा टेलीविजन पर भी दिखाया गया था कि भारत में बहुत बड़ी संख्या में लोग दुर्भिक्ष के कारण मर रहे हैं;

(ख) क्या यह भी सच है कि इस के परिणामस्वरूप विदेशों की विभिन्न संस्थाएं उपहार के रूप में धन, कपड़ा तथा अनाज भेज रही हैं; और

(ग) यदि हां, तो क्या कारण है कि देश की छोटी समस्या को इतना बड़ा चढ़ा कर बताया जा रहा है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री राज बहादुर) : (क) आकाशवाणी ने न तो रेडियो पर यह प्रसारित किया है और न टेलीविजन पर दिखाया है कि भारत में बहुत बड़ी संख्या में लोग दुर्भिक्ष के कारण मर रहे हैं।

(ख) सवाल नहीं उठता।

(ग) सवाल नहीं उठता।

Supply of Arms to India by Western Powers

*398. **Shri P. C. Borooah:**
Shri Bhagwat Jha Azad:
Shri S. C. Samanta:
Shri Subodh Hansda:
Shri M. L. Dwivedi:

Will the Minister of Defence be pleased to state:

(a) whether the U.S.A., U.K. and other Western Powers have agreed to lift the complete embargo on supply of arms to Pakistan and India;

(b) if so, on what terms; and

(c) if not, the latest position in this regard?

The Minister of Defence (Shri Swaran Singh): (a) to (c). The embargo on the supply of arms to India and Pakistan has been relaxed by all Western countries except U.S.A., Canada and West Germany. In the case of West Germany, restrictions continue on the export of arms and ammunition of certain types. Sale of lethal items by U.S.A. and Canada continues to remain suspended; however there is no such restriction on the sale of non-lethal items.